रिपोर्टर जेरोक्स
शाप नं.-1, कलेक्ट्रेट कैम्पस,
कोटा (राज.)
सेवाऐं:
जेरोक्स,
कलर जेरोक्स,
अर्जेन्ट फोटो,
लेमिनेशन
फार्म उपलब्ध:
मूल निवासी,
जाति प्रमाण पत्र,
आय प्रमाण पत्र,
विवाह प्रमाण पत्र

कलम का अधिकार

आयुर्वेदिक दवाईयां
थोक व रिटेल में
जैन आयुर्वेदिक स्टोर
रामपुरा (डाकघर के सामने) कोटा - 6
फोन- 2381156, 2381946
प्रमुख वितरक - ऊंझा फार्मेसी, लोकोपकारक, व्यास, श्योर क्योर, नर नारायण, चरक, आर्युलैब, बजाज, सान्डू, वासू, बान, दीनदयाल, साधना, राजवैद्य, खूटेंटा, वैद्यनाथ, धूतपापेश्वर, सोल्युमिक्स, महर्षि, परम हेल्थकेयर, रतन आयुर्वेदिक, जमना फार्मेसी, शर्बत, मुरब्बा, एवं जनरल हेल्थ केयर आइटम।

वर्ष-69 अंक- 107 (प्रभात) कोटा, , बुधवार, 23 अप्रैल, 2025 डाक पंजी, कोटा/ 37/2021-2023 (हिन्दी दैनिक) फोन : 0744-3550629 पृष्ठ-4 मूल्य : 1 रुपया

पहलगाम आतंकी हमले पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा, एंटी टेरर ऑपरेशन शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब की राजकीय यात्रा पर गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा तथा आतंकवाद से लड़ने का भारत का संकल्प अडिग है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूँ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएँ। मैं प्रार्थना करता हूँ कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएँ। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।मोदी ने आगे लिखा कि इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा! उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा। वहीं, एंटी टेरर ऑपरेशन शुरू हो चुका है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ट्वीट किया कि आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया गया है। पूरा देश गुस्से में है और हमारे सुरक्षा बलों का खून खौल रहा है। मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं कि पहलगाम हमले के अपराधियों को उनके जघन्य कृत्य की बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। पहलगाम की बैसरन घाटी में एक पहाड़ से आतंकवादियों के नीचे उतरने और गोलीबारी शुरू करने से कम से कम 12 पर्यटक घायल हो गए। इससे पहले आज, पीएम मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की और उनसे जम्मू-कश्मीर का दौरा करने और उचित कदम उठाने को कहा। इस घटना के बाद अमित शाह ने हाई लेवल मीटिंग की है। इस बीच खबर यह है कि अमित शाह श्रीनगर के लिए रवाना होने वाले हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से दुखी हूँ। मेरी संवेदनाएँ मृतकों के परिजनों के साथ हैं। इस जघन्य आतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और हम दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा देंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को घटना के बारे में जानकारी दी और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। सभी एजेंसियों के साथ तत्काल सुरक्षा समीक्षा बैठक करने के लिए जल्द ही श्रीनगर के लिए रवाना हो जाऊँगा।

उदयपुर-डूंगरपुर में आंधी और बारिश; बाड़मेर में पारा 45 डिग्री के पार; आज गर्मी का रेड अलर्ट

जयपुर (कासं)। प्रदेश में एक बार फिर गर्मी ने अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिया है. बीते हफ्ते तापमान में राहत के बाद मौसम शुष्क रहा और पारे में इजाफा दर्ज किया गया. पिछले 24 घंटों में राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 44.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 5.0 डिग्री ऊपर दर्ज किया गया. रविवार को राजधानी जयपुर में दिन और रात के तापमान में विशेष अंतर नहीं रहा, दिन में जहां 0.1 डिग्री की गिरावट के साथ अधिकतम तापमान 37. 1 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं रात का तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इसके अलावा जैसलमेर और फलौदी में 42.6 , चित्तौड़गढ़ में 41.5, जोधपुर में 41.1, कोटा में 40.7, बीकानेर में 40.6, भीलवाड़ा और जालोर में 40.4, डूंगरपुर में 40.1 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया.

आज इस तरह रहेगा मौसम का हाल –मौसम विभाग के जयपुर केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार आज राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान में और 2 से 3 डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है. इस दौरान दक्षिण पश्चिमी राजस्थान में कहीं कहीं हीट वेव दर्ज होने के आसार हैं.

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला

जम्मू-कश्मीर/ पहलगाम में आतंकी हमले में 26 की मौत मृतकों में दो विदेशी नागरिक; आतंकियों की तलाश तेज

पहलगाम के बैसरन घाटी इलाके में आर्मी की ड्रेस में आए दो आतंकियों ने फायरिंग की।

पहलगाम (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के प्रमुख पर्यटक स्थल पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने कायराना हरकत की है। आतंकियों ने अंधाधुंध गोली बारी की और 26 लोगों की जान ले ली। पीएम मोदी ने हमले की निंदा करते हुए दुख जताया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार दोपहर आतंकियों ने पर्यटकों पर फायरिंग कर दी। हमले में एक टूरिस्ट की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकियों ने टूरिस्ट से नाम पूछा, इसके बाद उसके सिर में गोली मार दी और फायरिंग करते हुए भाग निकले। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा ने ली है। न्यूज एजेंसी PTI को एक अफसर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मरने वालों की संख्या 20 से ज्यादा हो सकती है। ऐसे में मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अधिकारियों के मुताबिक घटना बैसरन घाटी में हुई, इसमें 20 लोग घायल भी हुए हैं। इनमें कुछ स्थानीय भी हैं। हालांकि न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक घायलों की संख्या 20 है।यह फरवरी 2019 के बाद से कश्मीर में सबसे बड़ा आतंकी हमला हो सकता है। तब पुलवामा में आत्मघाती हमले में सीआरपीएफ के 47 जवान मारे गए थे।न्यूज एजेंसी ANI ने खबर दी है कि घटना को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने सऊदी अरब से गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की है। उन्होंने शाह से मौके पर जाने को कहा।पीएम से बातचीत के बाद शाह श्रीनगर पहुंच गए हैं। वे यहां अफसरों के साथ हाईलेवल बैठक करेंगे। इधर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी से बातचीत करके हालातों की जानकारी ली।सुरक्षाबलों ने पहलगाम में हमले वाले इलाके को घेर रखा है। हेलिकॉप्टर के जरिए इलाके पर नजर रखी जा रही है। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। अनंतनाग पुलिस ने पर्यटकों के लिए इमरजेंसी हेल्प डेस्क स्थापित की है। दो हेल्पलाइन नंबर 9596777669 और 01932225870 जारी किए हैं। इसके अलावा वाट्स एप नंबर 9419051940 जारी किया है।

अमित शाह श्रीनगर पहुंचे, बोले- हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा,राहुल ने भी की निंदा

श्रीनगर (एजेंसी)। अमित शाह श्रीनगर पहुंचे। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से दुखी हूँ। मेरी संवेदनाएँ मृतकों के परिजनों के साथ हैं। इस जघन्य आतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और हम दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा देंगे। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में एक रिसॉर्ट में मंगलवार को आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में कम पर्यटक की मौत हो गई और 12-13 लोग घायल बताए जा रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस पहलगाम पर्यटन शहर के बैसरन मैदान में गोलीबारी की आवाज सुनने के बाद पहुंच गई है। तलाशी अभियान भी चल रहा है। वहीं, इस घटना के बाद अमित शाह ने हाई लेवल मीटिंग की है।इस बीच खबर यह है कि अमित शाह श्रीनगर के पहुच गए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से दुखी हूँ। मेरी संवेदनाएँ मृतकों के परिजनों के साथ हैं। इस जघन्य आतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और हम दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा देंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को घटना के बारे में जानकारी दी और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। सभी एजेंसियों के साथ तत्काल सुरक्षा समीक्षा बैठक करने के लिए जल्द ही श्रीनगर के लिए रवाना हो जाऊँगा।इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बातचीत की थी और उनसे सभी उचित कदम उठाने को कहा था।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा कि पहलगाम (जम्मू और कश्मीर) में आतंकवादी हमले की खबर से बहुत दुखी हूँ। निर्दोष नागरिकों पर यह कायरतापूर्ण हमला कायरतापूर्ण और अत्यंत निंदनीय है। मेरी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में पर्यटकों के मारे जाने और कई लोगों के घायल होने की ख़बर बेहद निंदनीय और दिल दहलाने वाली है। मैं शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं ।

पीएम मोदी की लोकप्रियता ऐसी चीज है जिससे अधिकांश नेता ईष्या करेंगे - जेडी वेंस

जयपुर । अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता ऐसी चीज है जिससे अधिकांश नेता ईर्ष्या करेंगे।जयपुर की यात्रा के दौरान वेंस ने कहा, मैंने कल रात प्रधानमंत्री मोदी से कहा - उनकी अप्रूवल रेटिंग इतनी अच्छी है कि मुझे उनसे ईर्ष्या होती है।÷प्रधानमंत्री मोदी के बातचीत कौशल की प्रशंसा करते हुए वेंस ने उन्हें %बहुत सख्त वार्ताकार% बताया जो भारत के वाणिज्यिक हितों के लिए जमकर लड़ते हैं।उन्होंने कहा, ÷मैंने खुद देखा है कि वह भारतीय उद्योग का कितनी मजबूती से बचाव करते हैं। अमेरिका और भारत कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग के जरिए एक साथ आगे बढ़ेंगे।वेंस ने अमेरिका-भारत साझेदारी पर कहा, ÷21वीं सदी इस रिश्ते की मजबूती से आकार लेगी। राष्ट्रपति ट्रंप वैश्विक व्यापार को फिर से संतुलित करना चाहते हैं ताकि अमेरिका, भारत जैसे सहयोगियों के साथ मिलकर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके।÷अमेरिकी उपराष्ट्रपति के मुताबिक वर्तमान अमेरिकी प्रशासन कृपालु लहजे से बचता है। उन्होंने कहा, ÷अतीत में बहुत बार, वाशिंगटन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ उपदेशात्मक और यहां तक ??कि कृपालु व्यवहार किया है। पिछले प्रशासनों ने भारत को केवल सस्ते श्रम के स्रोत के रूप में देखा, एक ऐसी सरकार की आलोचना की जो यकीनन लोकतांत्रिक दुनिया में सबसे लोकप्रिय है।व्यापार संबंधों को लेकर उन्होंने कहा, ÷राष्ट्रपति ट्रंप और मैं, प्रधानमंत्री मोदी का एक सख्त वार्ताकार होने के लिए सम्मान करते हैं। हम उन्हें भारतीय उद्योगों का बचाव करने के लिए दोषी नहीं ठहराते। बल्कि, हम सवाल करते हैं कि पिछले अमेरिकी नेताओं ने हमारे श्रमिकों के लिए ऐसा क्यों नहीं किया।वेंस ने चल रही द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के बारे में आशा व्यक्त करते हुए, कहा, ÷हम अच्छी प्रगति कर रहे हैं।अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, रक्षा के क्षेत्र में, हमारे राष्ट्रों के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। हम उन्नत सैन्य प्लेटफार्मों का सह-विकास कर सकते हैं। इससे पहले वेंस ने पत्नी उषा और अपने तीन बच्चों के साथ आमेर के किले का दौरा किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमेर महल में किया जेडी वेंस का स्वागत, डिप्टी सीएम दिया कुमारी भी साथ रही मौजूद

जयपुर। संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस की जयपुर यात्रा के दूसरे दिन आमेर किले में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनका आत्मीयतापूर्वक स्वागत किया।मुख्यमंत्री ने वेंस को बुके भेंट कर उनके सुखद प्रवास के लिए शुभकामनाएं दी और उन्हें राजस्थान की बहुरंगी संस्कृति एवं आतिथ्य सत्कार परंपरा के बारे में जानकारी दी। वेंस, उनकी धर्मपत्नी उषा वेंस एवं बच्चे मंगलवार प्रातः 9 बजे आमेर किले का भ्रमण करने पहुंचे। यहां उनका ढोल-नगाड़ों और सजे हुए हाथियों के साथ राजस्थानी परंपरा से स्वागत किया गया। इस दौरान लोक कलाकारों ने पारंपरिक वेश-भूषा में कालबेलिया व कच्छी घोड़ी नृत्य प्रस्तुत किया। राजस्थानी कला-संस्कृति की मनोहारी प्रस्तुतियों से उपराष्ट्रपति वेंस और उनके परिजन अभिभूत नजर आए। इसके बाद वे आमेर किले का भ्रमण कर राजस्थान की ऐतिहासिक स्थापत्य धरोहर से रूबरू हुए।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस सोमवार रात्रि सपरिवार जयपुर पहुंचे थे। वेंस 24 अप्रेल को प्रातः अमेरिका के लिए प्रस्थान करेंगे।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने परिवार संग देखा जयपुर का आमेर किला, राजस्थानी संस्कृति का लिया आनंद

जयपुर। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपनी पत्नी उषा वेंस और तीन बच्चों के साथ मंगलवार सुबह आमेर के किले का दौरा किया। चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत आए जेडी वेंस परिवार सहित देर रात जयपुर पहुंचे। वह अपने परिवार के साथ ऐतिहासिक रामबाग पैलेस में ठहरे हैं।सुरक्षा कारणों से आमेर किले को पहले ही खाली करा लिया गया और पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया गया। वेंस और उनका परिवार हाथी स्टैंड से खुले जीप में किले पहुंचे। रास्ते में उन्होंने किले की बाहरी वास्तुकला, मावठा सरोवर और केसर क्यारी बाग देखा।जालेब चौक में दो हथनियों, 'पुष्पा' और 'चंदा' ने पारंपरिक राजस्थानी गहनों और परिधानों में सजकर वेंस परिवार का स्वागत किया। पुष्पा ने वेंस को आशीर्वाद दिया, जबकि चंदा ने उनके गले में फूलों की माला डाली। महावत बल्लू खान ने बताया कि दोनों हथनियों को 350 साल पुराने गहनों जैसे हार और पायल से सजाया गया था। राजस्थानी लोक कलाकारों ने वेंस के स्वागत में परफॉर्मेंस दी। इसके बाद एक गाइड ने वेंस और उनके परिवार को किले का भ्रमण कराया।किले के बाद वेंस पन्ना मीणा कुंड और अनोखी संग्रहालय जाएंगे। आमेर का दौरा पूरा करने के बाद वेंस परिवार रामबाग पैलेस में थोड़ा आराम करेगा। दोपहर 2:45 बजे वेंस राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में अमेरिकी व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार व द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा होगी।दोपहर के भोजन से पहले वेंस को जयपुर के प्रमुख स्थलों जैसे जल महल, हवा महल और शहर की गुलाबी वास्तुकला के बारे में जानकारी दी जाएगी। उनके लिए पारंपरिक राजस्थानी भोजन परोसा जाएगा।शाम को वेंस रामबाग पैलेस में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से मुलाकात करेंगे। इस दौरान भारत-अमेरिका सहयोग कार्यक्रमों और आर्थिक साझेदारी पर बात होगी।आमेर किले और आसपास के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां, स्थानीय पुलिस और खुफिया टीमें वेंस और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए मुस्तैद हैं।अधिकारियों के अनुसार, 23 अप्रैल को वेंस सुबह 9 बजे जयपुर एयरपोर्ट से आगरा के लिए रवाना होंगे। वह ताजमहल परिसर में तीन घंटे बिताएंगे और दोपहर 2 बजे के बाद जयपुर लौटेंगे। यहां वह सिटी पैलेस जाएंगे, जहां उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी उनका गर्मजोशी से स्वागत करेंगी। 24 अप्रैल की सुबह वेंस अमेरिका के लिए रवाना होंगे।

जयपुर के 23 वर्षीय मनु गर्ग ने यूपीएससी में लहराया परचम, हासिल की 91वीं रैंक

जयपुर (कासं)। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा-2024 में जयपुर के युवा मनु गर्ग ने शानदार सफलता हासिल की है। महज 23 वर्ष की आयु में उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर 91वीं रैंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे राजस्थान को गौरवान्वित किया है।जयपुर के मूल निवासी मनु गर्ग ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जयपुर के ही प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने नई दिल्ली का रुख किया, जहां उन्होंने हिंदू कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की। अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को जारी रखते हुए, मनु ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) से मास्टर डिग्री प्राप्त की। वे JNU में जूनियर रिसर्च फेलो (JRF) के छात्र भी रहे हैं, जहां उन्होंने गहन अध्ययन और अनुसंधान में अपना समय लगाया। मनु गर्ग की इस सफलता ने युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कम उम्र में ही अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और लगन से इस प्रतिष्ठित परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से जयपुर के शिक्षा जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है और उनके परिवार तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है। राज्य के प्रशासनिक हलकों में भी उत्साह का माहौल है। यह उम्मीद की जा रही है कि एक युवा और प्रतिभाशाली अधिकारी के रूप में मनु गर्ग राजस्थान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मनु गर्ग की यह सफलता दर्शाती है कि सही दिशा में प्रयास और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने झोटवाड़ा में किया जन संवा, विकास कार्यों पर चर्चा

जयपुर (कासं)। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। लोगों ने राज्यवर्धन राठौड़ द्वारा किए जा रहे जनसेवा और विकास कार्यों की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।राज्यवर्धन राठौड़ ने जनसंवाद के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जनता से निरंतर संवाद स्थापित करने से प्राप्त सुझाव क्षेत्र के समग्र विकास का आधार बनते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।जनसंवाद में राज्यवर्धन राठौड़ ने झोटवाड़ा क्षेत्र में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की जानकारी दी और लोगों की समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी आह्वान किया कि वे जनता के साथ निरंतर संपर्क में रहें और उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाएं। जनता ने राज्यवर्धन राठौड़ द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ है। उन्होंने राज्यवर्धन राठौड़ को अपनी समस्याओं से भी अवगत कराया, जिस पर मंत्री ने उन्हें जल्द समाधान का आश्वासन दिया।इस जनसंवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। राज्यवर्धन राठौड़ ने सभी से बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की सेवा के लिए तत्पर है और क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

प्रत्येक जिले में हीटवेव का हो बेहतरीन प्रबंधन लू-तापघात से नहीं हो कोई जनहानि- खींवसर

जयपुर (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से हीटवेव से बचाव एवं उपचार के लिए उच्च स्तरीय प्रबंधन किया जा रहा है। विभाग के सभी कार्मिक इस भावना के साथ काम करें कि लू-तापघात से प्रदेश में कोई जनहानि नहीं हो। पूरा चिकित्सा तंत्र अलर्ट मोड और प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ काम कर आमजन को राहत दे। मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध अस्पतालों से लेकर सब-सेन्टर तक पूरी मुस्तैदी के साथ जांच, दवा, उपचार सहित तमाम व्यवस्थाएं पुख्ता रहें। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवस्थाओं को लेकर कोई भी लापरवाही या कमी सामने आती है तो संबंधित चिकित्सा संस्थान के प्रभारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। खींवसर मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में हीटवेव प्रबंधन को लेकर प्रदेशभर में की गई तैयारियों एवं गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि चिकित्साकर्मी हीटवेव को लेकर विशेष सतर्कता बरतें। यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों में पंखे, कूलर, एसी, वाटर कूलर, जांच, दवा एवं उपचार के प्रबंधन में कोई कमी नहीं रहे। अधिकारी निरंतर फील्ड में जाकर चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण करें। संसाधनों की तात्कालिक उपलब्धता के लिए आरएमआरएस फण्ड का उपयोग करें या वैकल्पिक उपायों के माध्यम से तुरंत व्यवस्था सुनिश्चित करें।

रेपिड रेस्पॉन्स सिस्टम के माध्यम से तत्काल राहत पहुंचाए—चिकित्सा मंत्री ने लू-तापघात से पीड़ित मरीजों को रेपिड रेस्पॉन्स सिस्टम के माध्यम से तत्काल राहत पहुंचाने, सभी चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव के उपचार से संबंधित दवाओं, आईसपैक आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि एम्बुलेंस में सभी जरूरी संसाधन क्रियाशील स्थिति में हो ताकि आपात स्थितियों में त्वरित रूप से राहत पहुंचाई जा सके। उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के रोगियों के लिए डेडिकेटेड वार्ड हों, कन्ट्रोल रूम सुचारू रूप से चौबीसों घंटे संचालित किए जाएं।

हीटवेव की अधिकता वाले जिले विशेष तैयारियां रखें—खींवसर ने कहा कि विभाग की ओर से चिकित्सा संस्थानों में समुचित स्टाफ उपलब्ध कराने के प्रयास सुनिश्चित किए जा रहे हैं। जहां भी स्टाफ की कमी है, वहां स्थानीय स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करें लेकिन उपचार में किसी तरह की कमी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि हीटवेव प्रबंधन को लेकर संसाधनों में किसी तरह की कमी नहीं रखी जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से संवाद करते हुए उन्होंने हीटवेव से संबंधित तैयारियों के बारे में जानकारी ली और दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हीटवेव की अधिकता वाले जिले विशेष तैयारियां रखें। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि हीटवेव प्रबंधन से संबंधित तैयारियों के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गतिविधियों पर भी फोकस किया जाए। आमतौर पर गर्मी के मौसम में दूषित खान-पान की वजह से लोगों के बीमार होने के मामले सामने आते हैं। सभी जिलों में नियमित रूप से खाद्य सामग्री में मिलावट की जांच की जाए। खाद्य सामग्री निर्माण करने वाली इकाइयों का समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वे सभी खाद्य सुरक्षा मानकों की पालना आवश्यक रूप से करें। साथ ही आमजन को स्वच्छ खान-पान एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जाए।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

हिन्दी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ हैं? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है। त्रिभाषा फार्मूले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेज़ी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फार्मूले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फार्मूले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फार्मूले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण है? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है। तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडू में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है।

> **त्रिभाषा फार्मूले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेज़ी होनी चाहिए।**

पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश सरीखे हालात!

हरेंद्र प्रताप। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ हाल में बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में भीषण हिंसा हुई। उपद्रवियों ने वहां के हिंदुओं को चुन-चुनकर निशाना बनाया। सैकड़ों हिंदू परिवारों को अपनी जान बचाने के लिए बंगाल के दूसरे जिलों और पड़ोसी राज्य झारखंड में शरण लेनी पड़ी। डर का माहौल ऐसा है कि इनमें से अभी भी बहुत से लोग वापस मुर्शिदाबाद अपने घरों को नहीं लौटे हैं। उन्हें बंगाल सरकार और पुलिस पर भरोसा नहीं। वे सीमा सुरक्षा बल की तैनाती की सूरत में ही वापसी के लिए तैयार हैं। मुर्शिदाबाद के वर्तमान हालात की चर्चा आज देश भर में हो रही है, लेकिन जल्द ही उसे भुला दिया जाएगा। अगर इस तरह की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगाया गया तो कल बंगाल के अन्य जिलों जैसे मालदा, दिनाजपुर, बीरभूम, 24 परगना की भी ऐसी ही हालत होगी। बंगाल, बिहार, झारखंड हो या देश का कोई अन्य प्रदेश, हिंसा और दंगे की घटनाओं की थोड़े समय चर्चा कर हम यह मान लेते हैं कि हमने अपना कर्तव्य पूरा कर लिया।

क्या हमने कभी यह पता लगाया कि मुर्शिदाबाद की तरह से अन्य इलाकों से आतंक और भय के चलते पलायन करने वाले परिवार अब कहां हैं? किस हाल में हैं? कितने फिर से वापस अपने घरों को लौटे?शायद ही कोई यह बता सके कि पिछले विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा के चलते जो लोग असम भागने को मजबूर हुए थे, वे वापस लौट पाए या नहीं? यह भी किसी से छिपा नहीं कि विस्थापित कश्मीरी हिंदू कश्मीर लौटने को तैयार नहीं हैं। सच तो यह है कि उत्पीड़न और आतंक से पलायन करने वाले न तो अफगानिस्तान लौट पाए, न पाकिस्तान, न बांग्लादेश और भारत में भी जहां से वे पलायन को बाध्य हुए, वहां लौटना नहीं चाहते या यह कहिए कि चाहकर भी लौट नहीं पाते।

मुर्शिदाबाद की घटना को केवल वक्फ कानून विरोधियों की हिंसा के रूप में देखने की भूल न करें। वक्फ कानून का विरोध तो बहाना भर था। पूर्वोत्तर के राज्य-सिक्किम, असम, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और मेघालय का प्रवेश द्वार 'चिकन नेक' कहलाता है। वहां से चीन और बांग्लादेश की दूरी बहुत कम है। ऐसे में इन दिनों दोनों देशों की बढ़ती दोस्ती को नजरअंदाज करना देश की सुरक्षा को खतरे में डालना होगा। चिकन नेक के लिए ही भारत विभाजन के समय हिंदू बहुल खुलना जिले को तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान को देकर मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद लिया गया था। 1941 की जनगणना में खुलना जिले में हिंदू 58.29 प्रतिशत थे। बांग्लादेश की जनगणना यह बता रही है कि 2022 में खुलना जिले में हिंदू जनसंख्या घटकर मात्र 20.76 प्रतिशत रह गई। 2020 में नागरिकता संशोधन कानून का विरोध करते हुए शरजील इमाम ने भी चिकन नेक काटने की बात कही थी। फिर भी हम सावधान नहीं हुए। यह किसी से छिपा नहीं कि बांग्लादेश से हिंदू लगातार पलायन कर रहे हैं। चिंता की बात यह है कि यही स्थिति बंगाल के भी कुछ जिलों में देखने को मिल रही है। बंगाल से हिंदू पलायन को रोजगार से जोड़कर देखने वाले यह कभी नहीं बताते कि आखिर रोजगार के अभाव में वहां से केवल हिंदू ही पलायन क्यों कर रहे हैं, मुस्लिम क्यों नहीं? वर्ष 1951 से 2011 के बीच देश में मुस्लिम जनसंख्या 4.31 प्रतिशत बढ़ी, पर मालदा जिले में 14.30 तथा मुर्शिदाबाद में 11.02 प्रतिशत बढ़ी।

शांति के अग्रदूत भगवान बुद्ध की मूर्ति को अफगानिस्तान में टूटते हुए सबने देखा। गुरुग्रंथ साहिब को कैसे बचाकर भारत लाया गया यह भी किसी से छिपा हुआ नहीं है। मुर्शिदाबाद की हिंसा के पीछे के खौफनाक सच को अनदेखा करने से खतरा और बढ़ेगा ही। आज आवश्यकता इसकी है कि इस बड़े खतरे से निपटने की योजना बनाई जाए।

विभाजन के समय मालदा जिला मुस्लिम बहुल नहीं था, पर वह अब मुस्लिम बहुल हो गया है। कारण बांग्लादेश से मुस्लिम आबादी की घुसपैठ है। दिनाजपुर जिला अब दो जिलों में विभाजित हो गया है और उत्तरी दिनाजपुर जिले को ही चिकन नेक कहा जाता है। 2011 में उत्तरी दिनाजपुर जिले में मुस्लिम जनसंख्या बढ़कर 49.92 प्रतिशत हो गई। यानी वह भी मुस्लिम बहुल हो गया। बंगाल के अन्य जिले भी मुर्शिदाबाद, उत्तरी दिनाजपुर बनने की राह पर हैं। जब असम में बांग्लादेश से होने वाली मुस्लिम घुसपैठ के खिलाफ 1980 में आंदोलन शुरू हुआ, तब इस्लामिक कट्टरपंथी बांग्लादेशी मुसलमानों को असम से बाहर और मुख्यत: बंगाल भेजने लगे। इसके चलते 1961-71 एवं 1971-81 के बीच बंगाल में जो मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि दर 29.76 से घटकर 29.55 प्रतिशत हो गई थी, वह 1981-91 के बीच अचानक बढ़कर 36.89 प्रतिशत हो गई।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे जुल्फिकार अली भुट्टो ने अपनी एक पुस्तक में लिखा है कि विभाजन के समय पूर्वी पाकिस्तान को जितनी जमीन मिलनी चाहिए, उतनी नहीं मिली।

वामपंथी नेता हों या ममता बनर्जी, बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति उनकी मजबूरी है। समाचार पत्रों में यह कई बार छप चुका है कि बांग्लादेश के आतंकी संगठन बंगाल सहित देश के अन्य हिस्सों में मुसलमानों को उकसा रहे हैं।जब गांधी जी जैसे बड़े सेक्युलर नेता देश का विभाजन, हिंदुओं का नरसंहार और उनका पलायन रोकने में असफल हो गए तो क्या आज के कथित सेक्युलर नेता मुर्शिदाबाद, मालदा जैसे इलाकों से गैर-मुस्लिमों की प्रताड़ना रोक पाएंगे?

शांति के अग्रदूत भगवान बुद्ध की मूर्ति को अफगानिस्तान में टूटते हुए सबने देखा। गुरुग्रंथ साहिब को कैसे बचाकर भारत लाया गया, यह भी किसी से छिपा हुआ नहीं है। मुर्शिदाबाद की हिंसा के पीछे के खौफनाक सच को अनदेखा करने से खतरा और बढ़ेगा ही। आज आवश्यकता इसकी है कि इस बड़े खतरे से निपटने की योजना बनाई जाए।

गंभीर चिंता का विषय है चपरासी के लिए उच्च डिग्रीधारियों के आवेदन

अब इसका शिक्षा व्यवस्था को ही दोष दिया जाए या बढ़ती बेरोजगारी या फिर सरकारी नौकरी का मोह माना जाये कि राजस्थान के सरकारी दफ्तरों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों में भर्ती के लिए मांगे गये आवेदन में 20 अप्रेल तक 23 लाख 65 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। मजे की बात यह है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 53749 पदों के लिए आवेदन के लिए निर्धारित योग्यता दसवीं पास होना है वहीं इस दसवीं पास के पद के लिए आवेदन करने वालों में पीएच. डी, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट ही नहीं तकनीकी षिक्षा प्राप्त बीटेक और बीएड जैसी योग्यताधारी शामिल है। इसका मतलब यह हुआ कि आईएएस, आईपीएस, आरएएस, प्रोफेसर, शिक्षक या प्रदेशों की सिविल सर्विस व अन्य इसी तरह के उच्च पदों की योग्यता को पूरी करने वाले युवक रोजमर्रा की भाषा में कहें तो चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करने में किसी तरह का संकोच नहीं कर रहे हैं। यह हालात हमारी संपूर्ण व्यवस्था को प्रश्नों के घेरों में खड़ा कर देती हैं। आखिर हमारी व्यवस्था जा कहां रही है। इससे यह भी साफ हो जाता है कि उच्च शिक्षा प्राप्त चयनित नहीं होते हैं तो सवाल यह उठेगा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भी चपरासी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकें। वहीं किसी कारण से शिक्षा पूरी नहीं कर सकने वाले युवक दसवीं की परीक्षा ही पास कर सके हैं और चपरासी के पद के लिए योग्य है तो उच्च शिक्षितों, अनुभवियों के सामने उनके लिए तो चयन की संभावना लगभग शून्य की समझी जानी चाहिए। यदि समान योग्यता वाले आवेदन इतनी बड़ी संख्या में होते तो एक अनार सौ बीमार वाली बात तो हो जाती पर फिर सीधा सीधा यही कहा जाता कि रोजगार के अवसर कम है पर उच्च अध्ययन प्राप्त युवाओं के चपरासी के पद के लिए आवेदन करना हमारी केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं अपितु पूरी व्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं। आखिर ऐसा क्या कारण है कि युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी नहीं मिल पा रही। इससे यह तो साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं पूरी व्यवस्था में ही दोष है। एक और तो सातवें वेतन आयोग के बाद से युवाओं में सरकारी नौकरी का मोह बढ़ा है। फिर रही सही कसर हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने पूरी कर दी है जब चुनावों में मुख्य मुद्दा रोजगार को लेकर उठाया जाता है। चुनावों में रोजगार या यों कहें कि बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दा होना चाहिए इससे नकारा नहीं जा सकता है पर केवल सरकारी नौकरी का ही चस्मा दिखाया जाता है तो परिणाम फिर इसी तरह के आते हैं। आजादी के बाद निजी क्षेत्र ने काफी विस्तार किया है। एक समय ऐसा भी रहा है कि जब युवाओं का क्रेज निजी क्षेत्र के प्रति रहता था। निजी क्षेत्र में वेतन-भत्तों के साथ ही सुविधाओं का भी विस्तार था। ऐसा नहीं है कि आज ऐसा नहीं है। आज भी निजी क्षेत्र की अनेकों संस्थाओं में अच्छा पैकेज और सुविधाएं मिलती है। युवाओं को विदेश जाने तक के अवसर मिलते हैं। मेडी क्लेम व अन्य सुविधाएं भी आम है। हां परफोरमेंस और टारगेट की बात अवश्य होती है। सरकारी नौकरी के पीछे भागने का कारण एक तो सर्विस को लेकर किसी तरह का तनाव नहीं होना है। यों कहा जा सकता है कि सरकारी नौकरी में जॉब सिक्योरिटी के साथ ही सुविधाओं का अंबार और पेंशन सुविधा के साथ ही जिम्मेदारी का कहीं ना कहीं बोझ नहीं दिखाई देता है। सरकारी नौकरी में तो एक तरह का समझौता हो जाता है कि जो काम के प्रति निष्ठावान है उसे काम से लाद दिया जाता है और जो काम के प्रति अधिक गंभीर नहीं होते हैं उन्हें कहने को तो नाकारा कह दिया जाता है पर वास्तव में इतना कहने भर से उन्हें काम के बोझ की मुक्ति मिल जाती है। यह तस्वीर का एक पहलू है। दूसरा एक बार सरकारी नौकरी में प्रवेश हो गया तो कोई कहने वाला तो होगा नहीं, यदि ज्यादा दिक्कत भी आती है तो कहीं से भी सिफारिश कराकर अपना काम चला ही लेंगे। एक बार नौकरी में प्रवेश होने के बाद ओवरएज होने तक प्रतियोगी परीक्षा के नाम पर अप्रत्यक्ष रुप से लाभ उठाया जा सकता है। इससे दो तरह की समस्या उत्पन्न होती है एक तो वास्तव में उस योग्यताधारी के सामने नौकरी की समस्या जस की तस रह जाती है जो उस पद की योग्यता ही पूरी कर पाता है, दूसरा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी या फिर शैक्षणिक योग्यता के अनुसार पद नहीं मिलने के कारण सहानुभूति में अन्य कार्य ले लिया जाता है जिससे दोहरा नुकसान होता है एक तो उस पद के योग्य लोगों को नुकसान होता है तो दूसरा मूल पर का काम तो बाधित ही रहता है क्योंकि जिस पद पर चयन हुआ है वह काम तो करना ही नहीं है। अभी कुछ समय पुरानी ही बातें हैं और लगभग सभी जगह हालात यह है कि नगर निगमों में सफाई कर्मियों की भर्ती में अधिकांष चयनित उच्च शिक्षा प्राप्त होने या उच्च वर्ग से जुड़े होने के कारण चयनित होने के बाद उन्हें सफाई कर्मी का काम तो करना ही नहीं था और किया भी नहीं और उनकी सेवाएं आफिस में क्लर्की के रुप में ली जाने लगी। इससे अधिकांश नगर निकायों की सफाई व्यवस्था तो प्रभावित हुई ही साथ ही असली दावेदार तो बेरोजगार ही रह गए और रोजगार के नाम पर ऐसी भर्तियां हुई जो बोझ बनकर ही रह गई। यह वास्तविकता का एक पक्ष है दूसरा पक्ष तो उच्च योग्यता होने के बाद भी उसके अनुसार नौकरी नहीं मिलना है। इसके लिए किसे दोष दिया जाए। सवाल यह उठता है कि बीटेक व्यक्ति को इंजीनियरिंग का काम नहीं मिलता है तो फिर उसकी पढ़ाई का मतलब ही क्या है। सवाल यह है कि जिस तरह से निजी क्षेत्र में नए नए इंजीनियरिंग कालेज, एमबीए कालेज खोले गये और उनमें शिक्षकों की स्थिति, शैक्षणिक स्तर और गुणवत्ता पर ध्यान ही नहीं दिया गया तो केवल डिग्री से क्या होने वाला है। समस्या इतनी साधारण नहीं है जितनी इसे समझा जा रहा है। यह बढ़ती बेरोजगारी की समस्या नहीं है अपितु कहीं ना कहीं हमारी संपूर्ण व्यवस्था का ही दोष है। हालात का समग्रता के साथ विश्लेषण करना होगा नहीं तो चपरासी हो या सफाई कर्मी इतने ही नहीं अपितु इनसे भी ज्यादा आवेदन आएंगे और भर्ती भी होगी, नौकरी पर भी आयेंगे, वास्तविक युवाओं के लिए रोजगार समस्या ही बना रहेगा, सरकारी खर्चा तो योंही होता रहेगा पर जिस उद्देश्य से या जिस काम के लिए पदों को भरा जाना है उसमें हालात नहीं बदलने वाले हैं। फिर यह कहना कि सफाई कर्मी है पर सफाई नहीं हो रही या चपरासी है पर चपरासी के काम करने वालों की कमी है तो हालात ऐसे ही रहने वाले हैं। यह समूची व्यवस्था के सामने चुनौती है और इसका समाधान खोजना ही होगा।

सरकारी नौकरी में तो एक तरह का समझौता हो जाता है कि जो काम के प्रति निष्ठावान है उसे काम से लाद दिया जाता है और जो काम के प्रति अधिक गंभीर नहीं होते हैं उन्हें कहने को तो नाकारा कह दिया जाता है पर वास्तव में इतना कहने भर से उन्हें काम के बोझ की मुक्ति मिल जाती है।

आदत से मजबूर

अमेरिका पहुंचते ही राहुल गांधी ने देश को नीचा दिखाने का किया काम

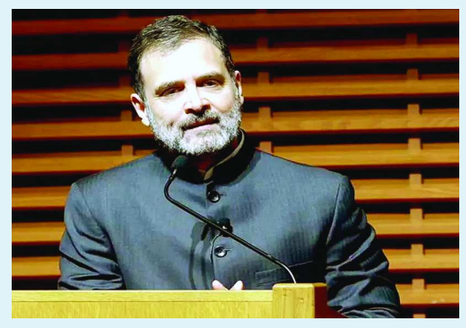

कश्मीर पर उनके एक बेजा बयान को पाकिस्तान भुना चुका है। लगता है वह देश की तरह विदेश में भी बिना सोच-समझे कुछ भी बोलने के आदी हो चुके हैं। इससे वह अपनी जगहंसाई ही कराते हैं। राहुल गांधी इसी तरह बोलते रह सकते हैं लेकिन यह समझ सकें तो बेहतर कि कुछ भी कह देने के कारण ही वह परिपक्व नेता के रूप में नहीं उभर पा रहे हैं। जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ, अमेरिका पहुंचते ही राहुल गांधी ने फिर से देश को नीचा दिखाने का काम किया। इस बार उन्होंने चुनाव आयोग को निशाने पर लेते हुए उसे समझौतावादी करार दिया। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया को संदिग्ध बताया।वह पहले भी महाराष्ट्र के नतीजों को अविश्वसनीय बता चुके हैं और अपनी ओर से उठाए गए सवालों पर चुनाव आयोग के जवाब की अनदेखी भी कर चुके हैं। उन्हें महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे तो हजम नहीं हो रहे, लेकिन उन्हीं दिनों हुए झारखंड के विधानसभा चुनावों पर वह कुछ नहीं कहना चाहते। इसका कारण यही है कि झारखंड में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा ने जीत हासिल की थी। इसके पहले उन्हें हरियाणा के चुनाव नतीजे रास नहीं आए थे, लेकिन वह जम्मू-कश्मीर में सहयोगी दल नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे थे। अभी हाल में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस नेताओं ने इसका श्रेय लिया था कि उनकी पार्टी आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर करने के अपने उद्देश्य में सफल रही। साफ है कि जो चुनाव नतीजे कांग्रेस के मनमाफिक नहीं रहते, वे राहुल गांधी और उनके साथियों के गले नहीं उतरते। इतना ही नहीं, वे उलटे-सीधे आरोपों के साथ सामने आ जाते हैं। हरियाणा में उन्हें ईवीएम की बैटरी में गड़बड़ी दिखने लगी थी। मनचाहे चुनाव नतीजे न मिलने से राहुल गांधी का कुंठित होना समझ आता है, लेकिन आखिर उन्हें यह क्यों नहीं याद रहता कि जिन लोकसभा चुनावों के चलते वह नेता प्रतिपक्ष बने हैं, वे भी इसी चुनाव आयोग ने कराए थे?

इसकी भी अनदेखी न की जाए कि राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को 99 सीटें मिलने को एक बड़ी उपलब्धि की तरह पेश किया था। विदेश यात्रा पर राहुल गांधी पहली बार ऐसा कुछ नहीं बोले, जिसने देश की छवि को मलिन करने का काम किया हो। इसके पहले वह अपनी विदेश यात्राओं के दौरान यह भी कह चुके हैं कि भारत में लोकतंत्र दम तोड़ रहा है और अमेरिका-यूरोप मौन साधे हुए हैं। वह विदेशी धरती पर यह भी कह चुके हैं कि भारत में अल्पसंख्यकों और कुछ अन्य समूहों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार हो रहा है। यह बयान आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को खूब भाया था। कश्मीर पर उनके एक बेजा बयान को पाकिस्तान भुना चुका है। लगता है वह देश की तरह विदेश में भी बिना सोच-समझे कुछ भी बोलने के आदी हो चुके हैं। इससे वह अपनी जगहंसाई ही कराते हैं। राहुल गांधी इसी तरह बोलते रह सकते हैं, लेकिन यह समझ सकें तो बेहतर कि कुछ भी कह देने के कारण ही वह परिपक्व नेता के रूप में नहीं उभर पा रहे हैं।

डिब्बाबंद खाद्य या पेय पदार्थों से बच्चों में मोटापा समेत कई स्वास्थ्य समस्याएं

राष्ट्रीय स्तर पर कानूनी व्यवस्था का अभाव

संयुक्त राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को की ताजा 'वैश्विक शिक्षा रपट' में यह तथ्य उजागर हुआ है कि केवल साठ फीसद देशों के स्कूलों में भोजन और पेय पदार्थों को विनियमित करने वाले कानून और मानक हैं।

दुनिया भर में लगभग सभी देशों में स्कूली बच्चों की सेहत को लेकर बहुस्तरीय कार्यक्रम चलाए जाते हैं, जरूरी होने पर नियम-कायदे भी लागू किए जाते हैं। इसके बावजूद आज भी बहुत सारे देशों में स्कूल परिसरों और उसके आसपास उपलब्ध खानपान की चीजें विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर कैसा असर डालेंगी, उसे ध्यान में रख कर ठोस नियम लागू नहीं किए जाते। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को की ताजा 'वैश्विक शिक्षा रपट' में यह तथ्य उजागर हुआ है कि केवल साठ फीसद देशों के स्कूलों में भोजन और पेय पदार्थों को विनियमित करने वाले कानून और मानक हैं। यानी

आज भी ऐसे बहुत सारे स्कूल हैं, जहां बच्चों को खाने-पीने के सुरक्षित सामान नहीं मिलते और करीब चालीस फीसद देशों की सरकारें इसे गंभीरता से नहीं लेतीं। असुरक्षित खाद्य और पेय पदार्थों की बिक्री को प्रतिबंधित करने के उपाय नहीं किए गए हैं। यह छिपा नहीं है कि स्कूल परिसर या उनके आसपास ऐसे डिब्बाबंद खाद्य या पेय पदार्थ आसानी से मिल जाते हैं, जिनके लगातार सेवन की वजह से बच्चों में मोटापा और अन्य प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं खड़ी होती हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय स्तर पर कोई ठोस मानक या कानूनी व्यवस्था न होने की वजह से स्कूल प्रबंधन भी खानपान की ऐसी चीजों की बिक्री की अनदेखी करते हैं। हालांकि इसे लेकर आए दिन सरकार के संबंधित महकमों की ओर से स्कूलों को निर्देश जारी किए जाते हैं कि वे अपने परिसर में या उसके आसपास उन खाद्य या पेय पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाएं जो बच्चों की सेहत के लिए जोखिम भरे हैं।विडंबना है कि इस मसले की गंभीरता को जानते-बूझते हुए भी न तो सरकार की ओर अपेक्षित सख्ती बरती गई और न ही स्कूलों ने अपनी ओर से कोई गंभीरता दिखाई। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि वैश्विक स्तर पर पैदा हो रहे संघर्ष के हालात और अस्थिरता की वजह से जिस तरह खाद्य सुरक्षा की चुनौतियां बढ़ रही हैं, उसके बीच पोषणयुक्त भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करना स्कूली बच्चों की सेहत के साथ शिक्षा के क्रम को जारी रखने और उसे बेहतर बनाने के लिए बहुत जरूरी है।

नन्हें–मुन्हों की सेहत के लिए भी कमाल कर सकता है केसर

केसर वह जादुई मसाला है जो सौंदर्य से लेकर स्वास्थ्य तक के लिए कमाल कर सकता है। पर क्या आप इसे छोटे बच्चों के लिए भी इस्तेमाल कर सकती हैं? जवाब है 'हां' ।बेबी जैसे जैसे–जैसे बड़ा होता है मॉम्स की चिंता बढ़ने लगती है। सबसे पहले जो समस्या हर मां के सामने आती है वह है कि बेबी को क्या खिलाएं। साथ ही, ऐसा क्या खिलाएं जो बेबी को सभी बेमारियों से बचाए। क्योंकि 6 महीने के बाद डॉक्टर सिर्फ लिक्विड और सेमी लिक्विड डाइट की सलाह देते हैं ।ऐसे में सही पोषण देना बहुत मुश्किल हो जाता है। मगर हमारे पास एक ऐसा किचन इंग्रीडिएंट है, जो आपकी इन सभी समस्याओं को हल कर सकता है। वह खास सामग्री है केसर। केसर में वे सभी पोषक तत्व होते हैं, जिनकी आपके बेबी को ज़रूरत है। तो चलिये जानते हैं कि आपके बेबी के लिए कैसे फायदेमंद है केसर और इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका।

आपके बेबी के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है केसर

हड्डियों के विकास में मदद करता है–बचपन में ही बच्चों की हड्डियां सबसे तेज़ी से विकसित होती हैं। केसर में कैल्शियम और फाइबर होता है। ये पोषक तत्व हड्डियों के विकास और बच्चे के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं।

बेबी के मूड को बूस्ट करे–यह एक स्फूर्तिदायक और मूड स्टेबलाइजर है। केसर बेबी के चिड़चिड़ापन और रोने को रोकने में मदद करता है। एनसीबीआई के अनुसार केसर मूड को बूस्ट करता है।

फ्लू से बचाए–छोटे बच्चे अक्सर फ्लू और सर्दी की चपेट में आ जाते हैं। गर्म तासीर का होने के कारण केसर बुखार, सर्दी और फ्लू के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है।

भूख और पाचन को बढ़ावा देने में मदद करे–यह बच्चों के पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। एनसीबीआई के अनुसार केसर में एंटीबायोटिक और गुड बैक्टीरिया होते हैं। ये तत्व पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाने में मदद करते हैं।

दृष्टि बढ़ाए–केसर में मौजूद बीटा कैरोटीन रेटिना को मजबूत बनाने में मदद करता है। नतीजतन, आपके बेबी की दृष्टि में सुधार होता है और यह लंबे समय तक अच्छी रहती है।

याददाश्त बढ़ाने में मदद करे–न्यूरोनल विकास और शिशु मस्तिष्क के निर्माण के लिए शैशवावस्था एक महत्वपूर्ण समय है। स्मृति के लिए तंत्रिका नेटवर्क महत्वपूर्ण हैं। केसर न्यूरोनल नेटवर्क के विकास और इसके सुदृढ़ीकरण की इस प्रक्रिया में सहायता कर सकता है, जिससे स्मृति में वृद्धि होती है।

बेबी की त्वचा के लिए फायदेमंद–बच्चों की त्वचा का रूखा होना आम बात है। ऐसे में, आप मॉइस्चराइजर क्रीम और लोशन का उपयोग नहीं कर सकती क्योंकि बच्चे की त्वचा वयस्क त्वचा की तुलना में बहुत अधिक संवेदनशील होती है। केसर इस समस्या को दूर करने में मदद करता है। यह आपके बच्चे को मुलायम और स्वस्थ त्वचा भी देता है। बेबी के लिए ऐसे इस्तेमाल करें केसर केसर का तेल बनाएं और उसकी मालिश करें आप रात को नारियल या बादाम के तेल में केसर के एक दो रेशे मिला सकती हैं। फिर इस तेल का इस्तेमाल आप बेबी की मालिश करने के लिए कर सकती हैं। बेबी को नहलाने के बाद इस तेल से उसकी मालिश करें, इससे उसे बहुत अच्छी नींद आएगी।

भोजन में मिलाएं केसर–6 महीने से ऊपर के बच्चों के लिए आप केसर को उसके आहार में मिला सकती हैं। आप दूध, सेरेलैक या कोई अन्य तरल भोजन में केसर मिला सकती हैं। यदि आपका बच्चा थोड़ा बड़ा है तो इसे दूध में डालकर भी दिया जा सकता है।अंत में बेबी के लिए कोई भी नया बदलाव करने से पहले डॉक्टर की सलाह ज़रूर लें।

लो बजट में भी रखा जा सकता है सेहत का ख्याल, हमसे जानिए ऐसे बजट फ्रेंडली तरीके

इन 5 तरीकों को अपनाएं और अपनी डाइट और बजट दोनों का रखें ख्याल, क्योंकि सेहत के साथ – साथ बजट फ्रेंडली होना भी बहुत ज़रूरी है।इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं ङ्क एक वो जो जिम जाकर खुद को स्वस्थ रखते हैं और दूसरे वो जो बिना जिम जाए भी खुद को फिट रखते हैं। जब सेहत पर ध्यान देने की बात आती है तो लोग कई सारी चीज़ें करते हैं जैसे महंगे डाइट प्लान फॉलो करना, जिम मेंबरशिप लेना, फिटनेस बैंड का इस्तेमाल करना या पर्सनल ट्रेनर हायर करना आदि।मगर इन सब चीजों के बिना भी एक हेल्दी लाइफस्टाइल मेंटेन किया जा सकता है। यहां तक कि वज़न भी घटाया जा सकता है। लो बजट में अपनी सेहत का ख्याल रखना इतना मुश्किल भी नहीं है। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप कम बजट में खुद को स्वस्थ रख सकती हैं। जी हांज क्योंकि हम आपकी इसमें मदद करेंगे। जानिए कैसे

सबसे पहले अपनी मील्स को प्लान करें–अपने लिए एक मील प्लान बनाना बहुत ज़रूरी है कि आप आज और आने वाले हफ्तों में क्या खाएंगी। मील प्लान बनाने से आपको सब्जियां और फल खरीदने में आसानी होगी और बिना किसी कन्फ्युजन के आप बजट के अनुसार ख़रीदारी कर पाएंगी। केवल वही खरीदें जो आप निश्चित रूप से उपयोग करेंगी, और पहले देखें कि आपके पास क्या रखा है।

क्या आपका फाउंडेशन आपकी स्किन टोन को गहरा बना रहा है? तो जानिए इससे बचने का तरीका

आप सबके मेकअप किट में आपकी स्किन टोन के अनुसार फाउंडेशन जरूर होगा। यह तुरंत आपके चेहरे पर ग्लो लाने का काम करता है। लेकिन क्या इसके निरंतर इस्तेमाल से आपका स्किन टोन गहरा होने लगता है? जानिए पूरी बात।ब्यूटी वर्ल्ड में गहरी त्वचा का टैबू आज भी मौजूद है। खूबसूरत लगना यानी गोरी त्वचा। इस धारणा ने आज भी सबके मन में घर किया है। इसलिए ब्यूटी ब्रांड्स आपकी जरूरतों और मांगो को ध्यान में रखते हुए प्रोडक्ट्स का उत्पादन करती है।

आप सबके मेकअप किट में आपकी स्किन टोन के अनुसार फाउंडेशन जरूर होगा। यह तुरंत आपके चेहरे पर ग्लो लाने का काम करता है। लेकिन क्या इसके निरंतर इस्तेमाल से आपका स्किन टोन गहरा होने लगता है? जानिए पूरी बात।ब्यूटी वर्ल्ड में गहरी त्वचा का टैबू आज भी मौजूद है। खूबसूरत लगना यानी गोरी त्वचा। इस धारणा ने आज भी सबके मन में घर किया है। इसलिए ब्यूटी ब्रांड्स आपकी जरूरतों और मांगो को ध्यान में रखते हुए प्रोडक्ट्स का उत्पादन करती है। मेकअप की सबसे बुनियादी जरूरत है फाउंडेशन। यह मेकअप से पहले त्वचा पर बेस बनाने का काम करता है।अलग स्किन टोन के अनुसार ब्यूटी ब्रांड्स विभिन्न टोन के फाउंडेशन की मार्केटिंग करते हैं। कभी–कभी सही फाउंडेशन का चयन करना मुश्किल हो जाता है। ऐसा होने पर यह अलग से आपकी त्वचा पर दिखता है और भद्दा लग सकता है। लेकिन आपके विशेषज्ञ भी मेकअप को लंबे समय तक त्वचा पर रखने के लिए मना करते होंगे। ऐसा उनमें मौजूद केमिकल के कारण किया जाता है।जी हां, फाउंडेशन भी ज्यादा देर तक आपकी त्वचा के संपर्क में नहीं रहना चाहिए। इससे आपकी त्वचा के प्राकृतिक निखार में गिरावट आ सकती है। यह आपकी स्किन टोन को दो शेड्स तक गहरा बना सकता है।

क्यों त्वचा की रंगत को गहरा बना देता है फाउंडेशन?

बेशक आप एक परफेक्ट फाउंडेशन का इस्तेमाल करना पसंद करती होंगी। यह आपकी त्वचा को अच्छा लगने में मदद करता है। लेकिन क्या इसे लगाने के दो या तीन घंटे बाद आपकी त्वचा का रंग मद्धम होने लगता है? अगर आपको अपनी त्वचा दो या तीन स्किन टोन गहरी लगती है, तो यह फाउंडेशन में मौजूद केमिकल के कारण हो सकता है। इससे त्वचा सूखी और बेजान लगने लगती है।यह समस्या केमिकल रिएक्शन के कारण होती है। इसे ऑक्सिडेशन कहा जाता है। जैसे सेब और अन्य फल हवा में ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर भूरे हो जाते हैं, वैसे ही फाउंडेशन दिन के दौरान आपकी त्वचा का रंग एक या दो टोन गहरा कर सकता है।इस ऑक्सिडेशन के पीछे कोई एक कारण नहीं है। बल्कि, इसका संबंध आपकी त्वचा के प्राकृतिक तेलों, श्व॥ स्तर और हवा में नमी के साथ तेल और फाउंडेशन के केमिकल की प्रतिक्रिया से है।

फाउंडेशन के ऑक्सीकरण को रोकने के लिए इन तरकीबों को ट्राई करें–1. प्राइमर का प्रयोग करें एक प्राइमर आपकी त्वचा और फाउंडेशन के बीच एक अवरोध पैदा करेगा, जो इसे आपके प्राकृतिक तेलों के साथ प्रतिक्रिया करने से रोकने में मदद करेगा।

2. अपनी स्किन को ब्लॉट करें–प्राइमर लगाने के बाद, साफ टिश्यू लें और इसका इस्तेमाल अपने चेहरे को ब्लॉट करने के लिए करें। फाउंडेशन लगाने के बाद इसे फिर से करें। यह रंग को सही बनाए रखने में मदद करने के लिए किसी भी अतिरिक्त तेल और नमी को हटा देगा।

3. अपना मेकअप सेट करें –फाउंडेशन लगाने के बाद इसे ट्रांसलूसेंट सेटिंग पाउडर से सेट करें। यह मेकअप को जगह में लॉक करने में मदद करेगा। यह ऑक्सीकरण को ट्रिगर करने वाले किसी भी तेल को अवशोषित करने में मदद करेगा। आप अपने सेटिंग पाउडर को पूरे दिन इस्तेमाल कर सकते हैं।

फाउंडेशन के अन्य साइड इफेक्ट्स–केवल गहरी त्वचा ही नहीं, आपका फाउंडेशन अन्य स्किन प्रॉब्लम्स का भी कारण बन सकता है। इतना ही नहीं यह स्वास्थ्य जोखिमों का भी कारण बन सकता है। इनमें शामिल है

सांस लेने में तकलीफड्राई स्किन और रैशेजबेहोश होनापित्तखुजलीत्वचा का लाल होनाआंख, चेहरा, होंठ या जीभ की सूजनगले में जकड़नअसामान्य रूप से गर्म त्वचा अगर ये लक्षण बहुत अधिक परेशान कर रहें हैं।

शाकाहारी होने पर पछता रहें हैं? तो हमारे पास हैं आपके लिए दो प्लांट बेस्ड प्रोटीन रेसिपीज

अक्सर शाकाहारी लोगों में प्रोटीन के कम स्तर की शिकायत होती है। लेकिन अब नहीं! क्योंकि हम लाए हैं प्रोटीन से भरपूर कुछ वेजिटेरियन डिश। अब तक आप सभी इस बात से अवगत हैं कि बॉडी बिल्डिंग और स्टैमिना बढ़ाने के लिए प्रोटीन कितना महत्वपूर्ण है। साथ ही आपको यह भी पता होगा कि अधिकांश प्रोटीन उच्च खाद्य पदार्थ मांसाहारी होते हैं। तो क्या वीगन और वेजिटेरियन लोगों को आजीवन प्रोटीन की कमी का सामना करना पड़ेगा? घबराइए नहीं, क्योंकि हम एक बार फिर आपकी सहायता करने आ गए हैं! प्लांट बेस्ड प्रोटीन आपके चारों ओर हैं। अगर कुछ नहीं है, तो उसे पहचानने और इस्तेमाल करने का तरीका।बींस और नट्स जैसे साधारण खाद्य पदार्थों से लेकर आलमंड मिल्क जैसे वीगन स्रोत तक, प्रोटीन सब में होता है। इसके अलावा पिछले कुछ वर्षों में वीगन डाइट का पालन करने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है। लेकिन अभी भी कुछ लोग ऐसे हैं, जिन्होंने इसके बारे में नहीं सोचा हैं। शायद इसलिए कि पौधों से दैनिक जरूरत जितना प्रोटीन प्राप्त करना मुश्किल है। अगर आप भी प्लांट बेस्ड प्रोटीन ढूंढ रहें हैं, तो आपकी खोज समाप्त हुई।

प्लांट बेस्ड प्रोटीन होते हैं प्रभावी–एक आम ग़लतफ़हमी है कि एक शाकाहारी आहार हीन हैं, क्योंकि किसी भी पौधे में सभी आवश्यक नौ अमीनो एसिड नहीं होते हैं जो कि पशु प्रोटीन पूरे करते हैं। लेकिन अध्ययन द्वारा यह पता चला है कि हमें वास्तव में एक ही

बैठक में सभी आवश्यक अमीनो एसिड लेने की आवश्यकता नहीं है। पूरे दिन विभिन्न प्रकार के शाकाहारी स्रोत का सेवन करने से सभी नौ आवश्यक अमीनो एसिड प्राप्त किए जा सकते हैं। यह शरीर को वह तत्व देता है, जो उसे बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए चाहिए।न केवल प्लांट बेस्ड प्रोटीन अधिक टिकाऊ, जानवरों के प्रति दयालु, और मांसाहारी आहार की तुलना में अधिक बजट के अनुकूल है, बल्कि पौधों पर आधारित भोजन भी अच्छे स्वास्थ्य का समर्थन करने के लिए कारगर हैं। दूसरी ओर, मांसाहारी प्रोटीन के उच्च आहार को हृदय रोग और मधुमेह जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ते जोखिम से जोड़ा गया है। यही कारण है कि अमेरिका में वीगन खाने का चलन बढ़ गया है।

2020 में वीगन फूड प्रोडक्ट की बिक्री में 27% की वृद्धि हुई है। शाकाहारी भोजन के आधार कर प्रोटीन की जरूरत को कैसे पूरी करें?

अपने खाने की दिनचर्या में प्रोटीन की जरूरत को पूरा करने के लिए कुछ छोटे तरीके खोजना महत्वपूर्ण है। स्नैकिंग के लिए नट्स और बीजों को हाथ में रखें। अपने सेब में पीनट बटर का एक स्कूप जोड़ें, या अपनी लंच प्लेट पर कुछ हाई–प्रोटीन फूड शामिल करें। यहां 2 रेसिपी हैं, जो आपकी प्लांट बेस्ड प्रोटीन की जरूरत को पूरा करेंगी।

सार समाचार

युवा मोर्चा ने सुल्तानपुर में किया राहुल गांधी का पुतला दहन

कलम का अधिकार, कोटा। भारतीय जनता युवा मोर्चा कोटा देहात द्वारा जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर खटाना के नेतृत्व में सुल्तानपुर बस स्टैंड पर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी का पुतला जलाया व उसके खिलाफ जमकर नारेबाजी करी। युवा मोर्चा के जसप्रीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि इस दौरान भाजपा के जिला प्रभारी इंदरजीत सिंह झाला, स्ट मोर्चा जिला अध्यक्ष चंपालाल मेहरा व पूर्व मंत्री रामगोपाल बेरवा भी उपस्थित रहे। इस मौके पर इंदरजीत सिंह झाला ने कहा कि ईडी की चार्जसीट में सोनिया गांधी व राहुल गांधी का नाम शामिल है, जिसके कारण कांग्रेस में बौखलाहट छाई हुई है। भाजपा नेता डॉ सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत पर यह मामला शुरू हुआ था।युधिष्ठिर खटाना ने कहा कि कांग्रेस ने एसोसिएट जनरल लिमिटेड को 90 करोड़ का लोन दिया था, यंग इंडिया लिमिटेड ने इस फर्म को मात्र 50 लाख रुपए में खरीद लिया। जब आज देश की जांच एजेंसियां अपना काम कर रही है तो कांग्रेस असहज महसूस कर रही है। ईडी की चार्जशीट में सैम पित्रोदा सहित कई कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के नाम भी शामिल है। सुल्तानपुर मंडल अध्यक्ष हरिओम नागर ने बताया कि नेशनल हेराल्ड जैसे अनेकों मामलों में कांग्रेस ने सिर्फ भ्रष्टाचार करके अपना घर भरने का काम किया है।

प्रकृति से खिलवाड़ चिंताजनक, सघन वृक्षारोपण की जरूरत-संदीप शर्मा

कलम का अधिकार, कोटा। विश्व पृथ्वी दिवस पर मंगलवार को अनंतपुरा स्थित वन विभाग के स्मृति वन में पर्यावरण संस्थाओं चम्बल संसद,बाघ-चीता मित्र, कोटा एनवायरमेंटल सैनिटेशन सोसायटी की वृहद संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक संदीप शर्मा ने अवैध खनन और जंगलों को हो रहे नुकसान पर चिंता जताते हुए वृक्षारोपण करने एवं उन्हें बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें पृथ्वी को मां के समान दर्जा देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान को हर शहर कस्बे में सफल बनाना है। स्मृति वन के लिए वन विभाग से जो भी मदद होगी,कराई जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही वरिष्ठ कवियत्री डॉ वीणा अग्रवाल ने जल जंगल जमीन को बचाने का आह्वान करते हुए कहा कि पॉलीथिन प्लास्टिक के कचरे, अवैध खनन, जंगलों की कटाई और आगजनी से धरती पर अनेक तरह के पर्यावरणीय संकट पैदा हो गए है, इसलिए लोगों को अपनी आदत में सुधार करते हुए स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना होगा। स्मृति वन सलाहकार समिति के अध्यक्ष बृजेश विजयवर्गीय ने कहा कि कोटा के पर्यावरण को संतुलित करने में स्मृति वन,लव कुश वाटिका का हर हाल में संरक्षित और विकसित करने की जरूरत है। सरकार इन कामों में कतई ढिलाई न करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के आधुनिक वैज्ञानिक माडल ठोस तरल संसाधन प्रबंधन (एसएलआरएम)को लागू किए बिना स्वच्छता के लक्ष्य हासिल करना मुश्किल है। आज धरती पर खेत खलिहान, नदी, पहाड़ों पर चित्कार है, हमें विकास के प्रचलित माडल पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। सार्वजनिक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता धीरेन्द्र माथुर ने प्लास्टिक वेस्ट से सड़क निर्माण का सुझाव दिया। पर्यावरणविद् गीता दाधीच ने स्मृति वन की समस्या का समाधान पर जोर दिया। उन्होंने आओ री सखी पृथ्वी दिवस मनावां गीत प्रस्तुत किया ?। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता डॉ एल एन शर्मा का जांगिल संरक्षण के लिए सम्मान किया गया। शाहबाद जंगल बचाओ अभियान के राजेंद्र जैन ने पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से जंगल की उपयोगिता बताई। स्वयंसेवी लोगों ने जंगल,जल बचाने का संकल्प दोहराया।

मां भारती में अर्थ डे मनाया

कलम का अधिकार, कोटा। माँ भारती सीनियर सैकेंडरी स्कूल,स्वामी विवेकानंद नगर, कोटा में अर्थ डे मनाया गया। इसके अंतर्गत नन्हे विद्यार्थी हरे रंग के वस्त्रों से सुसज्जित होकर आए। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षों को लगाना, पृथ्वी को साफ सुथरा रखना, प्लास्टिक का प्रयोग न करना आदि विषयों पर आधारित कविता लेख आदि प्रस्तुत किया। तत्पश्चात धरती को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी लेते हुए सभी शिक्षकगण व विद्यार्थियों ने शपथ ली। स्कूल प्रिंसिपल मोनिका मलिक ने पर्यावरण का महत्व बताते हुए कहा कि हमें परिवार के सदस्य की तरह इसकी देखभाल करनी चाहिए।स्कूल डायरेक्टर उर्वशी विजय ने कहा कि प्रकृति के साथ हमारे गहरे संबंध हैं। इसके बिना मानव जीवन संभव नहीं है। इसलिए हमें पर्यावरण संरक्षण करना चाहिये।

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मनमानी कर 8 से 10 प्रतिशत फीस वृद्धि करने, विलम्ब शुल्क वसूलने व कमीशन के चक्कर में तय दुकानों से ड्रेस, किताबें आदि खरीदने का दबाव

कलम का अधिकार, कोटा। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव संजय यादव की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व आमजन ने जिला कलेक्टर के नाम एडीएम गजेन्द्र सिंह को ज्ञापन सौंपकर निजी स्कूलों द्वारा फीस में भारी वृद्धि करने एवं स्कूलों द्वारा तय समय पर फीस नहीं देने पर मनमानी कर विलम्ब शुल्क वसूलने का आरोप लगाते हुए कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है।ज्ञापन के माध्यम से संजय यादव ने बताया कि कोटा शहर में इन दिनों निजी स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। जहां कई स्कूलों द्वारा फीस में भारी वृद्धि वसूली की जा रही है। उन्होंने आरकेपुरम् सेक्टर बी स्थित आर्केडिया स्कूल द्वारा इस वर्ष की गई 8 से 10 प्रतिशत फीस वृद्धि कर अभिभावकों पर अतिरिक्त भार डालने एवं मनमानी रूप से विलम्ब शुल्क वसूलने का आरोप लगाया है। ज्ञापन में बताया कि छात्र एवं छात्राओं के लिए निशुल्क शिक्षा का अधिकार (आरटीई) में दायरे को बढ़ाकर नवीं से बारहवीं तक की शिक्षा निशुल्क करने का प्रावधान किया गया है, लेकिन निजी विद्यालय इस योजना में छात्रों को प्रवेश नहीं दे रहे हैं। उन्होंने जिला कलेक्टर से आठवीं कक्षा के बाद भी छात्रों को प्रवेश दिलाने, विलम्ब शुल्क को हटाने एवं फीस वृद्धि को कम करने के लिए स्कूलों को पाबंद करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी से भी मिलकर उन्हें निजी स्कूलों की लूट व मनमानी रोकने का अनुरोध किया।बताया कि कई स्कूल शिक्षा विभाग की उदासीनता के चलते इस कदर बेखौफ हैं कि वो स्कूल के अंदर ही कॉपी किताबें, ड्रेस आदि बेच रहे हैं और कई स्कूलों द्वारा कमीशन के चक्कर में एक ही दुकान तय कर अभिभावकों को एक ही दुकान से कॉपी-किताबें और ड्रेसें लेने का दबाव बना रहे हैं। जिसकी विस्तृत जांच हो तो अभिभावकों से करोड़ों रूपयों की लूट सामने आ सकती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्कूलों में एनसीईआरटी सिलेबस लागू करने के बजाय अपनी कमीशन की महंगी कमीशन की किताबें लागू कर रखी हैं, जिससे अभिभावकों से बड़ी लूट की जा रही है। यही नहीं स्कूलों द्वारा मनमानी कर कोर्स को ही बदला जा रहा है, जिससे कि कोई भी विद्यार्थी पुरानी किताबों से नहीं पढ सकता है, इसकी वजह स्कूलों द्वारा कमीशन का खेल है। जिसके कारण अभिभावकगण हजारों रूपयों की किताबें एक साल बाद ही 15 रूपये किलो रद्दी में बेचने को मजबूर हैं। जिस पर प्रशासन को गंभीरता दिखानी चाहिए।

हरियाणा की बादशाहत कायम, जीते 16 गोल्डः अंडर-20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता कोटा में संपन्न

कलम का अधिकार, कोटा। कुश्तियों में हरियाणा ने एक बार फिर अपनी बादशाहत कायत रखी है। कोटा में खेली गई अंडर-20 राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा ने कुल 16 गोल्ड मैडल जीते। 6 गोल्ड मैडल के साथ दिल्ली दूसरे और तीन गोल्ड मैडल के साथ उत्तर प्रदेश तीसरे स्थान पर रहा। आयोजन समिति के अध्यक्ष आईके दत्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के आखिरी दिन महिला कैटेगरी के 53 किलो वर्ग में हरियाणा की हिमांशी प्रथम दिल्ली की तानिया फोगाट द्वितीय और राजस्थान की कविता माली व मध्य प्रदेश की मिहिका सोनकर तृतीय रहीं। 59 किलो वर्ग में हरियाणा की मुस्कान प्रथम, महाराष्ट्रकी तन्वी द्वितीय तथा राजस्थान की अंजली साहू और दिल्ली की दिव्या तृतीय रहीं। 68 किलो वर्ग में दिल्ली की सृष्टि प्रथम, हरियाणा की कीर्ति द्वितीय तथा उत्तर प्रदेश की भूमि व महाराष्ट्र की रोशनी तृतीय रहीं। पुरूषों की फ्री स्टाइल कैटेगरी के 65 किलो वर्ग में हरियाणा के अश्विनी प्रथम, महाराष्ट्र के मनीष द्वितीय तथा तेलंगाना के निखिल यादव व हिमाचल प्रदेश के अभिनव मेहता तृतीय रहे। 79 किलो वर्ग में सर्विसेज के अमित प्रथम, हिमाचल प्रदेश के सुमित थापर द्वितीय तथा चंडीगढ़ के जतिन डागर व हरियाणा के परविंदर तृतीय रहे। 92 किलो वर्ग में हरियाणा के सचिन प्रथम, दिल्ली के अभिषेक द्वितीय, महाराष्ट्र के श्रेयांस व यूपी के यशवंत तृतीय रहे। आयोजन सचिव तेजेन्द्र सिंह बराड़ ने बताया कि पुरूषों के ग्रीको रोमन कैटेगरी के 63 किलो वर्ग में यूपी के मुकुल प्रथम, पंजाब के आर्यन विर्क द्वितीय तथा महाराष्ट्र के सारंग तथा हरियाणा के वरूण तृतीय रहे।

77 किलो वर्ग में हरियाणा के अमन प्रथम, चंडीगढ़ के निशांत द्वितीय, यूपी के सनी और दिल्ली के सागर तृतीय रहे। 82 किलो वर्ग में हरियाणा के प्रिंस प्रथम, पंजाब के मंजोत द्वितीय तथा जम्मू-कश्मीर के अमरजीत व चंडीगढ़ के कपित तृतीय रहे। 130 किलो वर्ग में यूपी के उत्तम प्रथम, हरियाणा के जोगिंदर राठी द्वितीय तथा पंजाब के जस्टिन सिद्धू व ओडिशा के सत्यनारायण तृतीय रहे। टीम चौम्पियनशिप में भी हरियाणा बाकी राज्यों पर भारी पड़ा। पुरूषों के ग्रीको रोमन वर्ग मे हरियाणा ने पांच गोल्ड जीतकर 195 अंको के साथ चौम्पियनशिप ट्रॉफी जीती। 132 अंकों के साथ दिल्ली दूसरे और 129 अंकों के साथ यूपी तृतीय स्थान पर रही। फ्रीस्टाइल वर्ग में चार गोल्ड मैडल और 194 अंकों के साथ चौम्पियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा किया। 157 अंकों के साथ दिल्ली दूसरे और 129 अंकों के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर रहा। महिला वर्ग में भी हरियाणा ने सात गोल्ड मैडल और 215 अंकों के साथ चौम्पियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा किया। 162 अंकों के साथ दिल्ली दूसरे और 140 अंकों के साथ महाराष्ट्र की टीम तीसरे स्थान पर रही।

राजस्थान को एक गोल्ड और 7 ब्रांज

प्रतियोगिता में राजस्थान एक गोल्ड और 7 ब्रांज मैडल जीतने में कामयाब रहा। प्रतियोगिता के आखिरी दिन महिला वर्ग में राजस्थान ने दो कांस्य पदक जीते। 53 किलो वर्ग में कविता माली और 59 किलो वर्ग में अंजली साहू ने कांस्य पदक जीता।

प्रगतिरत सिंचाई परियोजनाओं की हर 15 दिन में भेजें रिपोर्ट-जल संसाधन मंत्री

कलम का अधिकार, कोटा। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने फील्ड अभियंताओं को निर्देश दिए हैं कि जल संसाधन विभाग की प्रगतिरत वृहद एवं मध्यम परियोजनाओं की प्रगति की रिपोर्ट प्रत्येक 15 दिवस में फोटो के साथ भेजी जाए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट से जुड़े वरिष्ठ अभियंता परियोजना स्थल पर जाकर कार्य की प्रगति का निरीक्षण करें और फील्ड अभियंताओं से फॉलोअप लें। वृहद परियोजनाओं के लिए प्रोजेक्ट इंजीनियर हर माह का वर्क प्लान बनाएं जिसमें उस माह में कौन-कौन से कार्य पूरे किए जाने हैं, इसका उल्लेख हो।रावत ने इस वित्तीय वर्ष में बड़ी परियोजनाओं में किए जाने वाले कार्यों का एक्शन प्लान संबंधित अभियंताओं से मांगा। जल संसाधन मंत्री मंगलवार को यहां आईएमटीआई सभागार में कोटा संभाग के जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने परवन वृहद सिंचाई परियोजना सहित विभिन्न परियोजनाओं के अलग-अलग घटकों में बाकी रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने परवन परियोजना में हो रही देरी पर नाराजगी जताई और निर्देश दिए कि कार्य की गति बढ़ाई जाए। उन्होंने परियोजना के डूब क्षेत्र में आ रहे गांवों के लोगों के पुनर्वास का कार्य जल्दी पूरा करने, इस संबंध में जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने एवं अखबारों के माध्यम से नोटिस देकर डूब क्षेत्र में आ रहे गांवों से शिफ्टिंग के लिए लोगों को समझाया जाए। चम्बल-ईआरसीपी एकीकृत लिंक परियोजना के अतिरिक्त मुख्य महा प्रबंधक राकेश कुमार गुप्ता ने परियोजना के विभिन्न पैकेज के तहत प्रस्तावित कार्यों एवं अभी तक की प्रगति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए प्रथम चरण में रामगढ़ व महलपुर बैराज-बारां, नवनेरा बैराज से बीसलपुर बांध एवं इसरदा बांध भरने के लिए 9 हजार 600 करोड़ रूपये की स्वीकृति एवं कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि पैकेज-1 के तहत 45.30 मिलियन घन मीटर (एमसीएम) भराव क्षमता के रामगढ़ बैराज का निर्माण बारां जिले में पार्वती नदी की सहायक कूल नदी पर किया जाएगा। 258.41 एमसीएम भराव क्षमता के महलपुर बैराज का निर्माण बारां जिले में पार्वती नदी पर तथा कालीसिंध नदी पर नवनेरा बैराज पर 375 क्यूमेक्स जल अपवर्तन की क्षमता वाले नवनेरा पम्प हाउस का निर्माण कोटा जिले की दीगोद तहसील के एबरा गांव में किया जाना है। पैकेज-2 के तहत चम्बल क्रॉसिंग हेतु चम्बल एक्वाडक्ट एवं नवनेरा बैराज से मेज एनीकट तक फीडर नहर का निर्माण किया जाना है। पैकेज-3 के तहत मेज पम्प हाउस से गलवा बांध तक फीडर निर्माण, गलवा बांध से बीसलपुर बांध तक एवं इसरदा बांध तक फीडर निर्माण के कार्य किए जाने हैं। उन्होंने भूमि अवाप्ति एवं डूब क्षेत्र में आ रहे गांवों से पुनर्वास के संबंध में उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी।

वेद मंत्रोंच्चार पूर्वक महर्षि दयानंद सरस्वती छात्रावास का हुआ उद्घाटन

कलम का अधिकार, कोटा। आर्य समाज रावतभाटा में नवनिर्मित महर्षि दयानंद सरस्वती छात्रावास का राजस्थान परमाणु ऊर्जा विभाग के पूर्व निदेशक के पी ओझा ने उद्घाटन किया।आर्य समाज रावतभाटा के मंत्री ओमप्रकाश आर्य ने बताया कि नवनिर्मित छात्रावास उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि सुमनबाला सक्सेना राजस्थान आर्य प्रतिनिधि सभा, विशिष्ट अतिथि कोटा के प्रधान अरविंद पांडेय,डा वेद प्रकाश गुप्ता रहे। उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर नूतन प्रवेश के वेदमंत्रोच्चार पूर्वक नवनिर्मित छात्रावास के फीते की गांठ खोलकर उद्घाटन किया गया। परमाणु ऊर्जा विभाग राजस्थान के पूर्व निदेशक कैलाशपति ओझा ने कहा कि आर्य समाज रावतभाटा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुकरणीय कार्य कर रहा है, जो सभी के लिए प्रेरणादाई है । छात्रावास से स्थानीय ग्रामीण छात्रों को शहर में रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

विश्व पृथ्वी दिवसः अकलंक कॉलेज द्वारा परिंडे व कपड़े के थैले वितरित

कलम का अधिकार, कोटा। विश्व पृथ्वी दिवस के शुभ अवसर पर अकलंक कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कोटा में एक महत्वपूर्ण पर्यावरण अनुकूल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जीव दया टीम, कोटा इकाई के नेतृत्व में आयोजित इस पहल का मुख्य उद्देश्य गर्मियों के मौसम में पक्षियों को राहत प्रदान करना और प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का नेतृत्व जीव दया टीम की अध्यक्षा किरण जैन और उपाध्यक्षा सुनीता जैन ने किया, जबकि सुश्री सरिता जैन और डॉ. सुनैना गंगेले ने कार्यक्रम के संयोजन की जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर परिंडे लगाने व कपड़े के थैले वितरण का कार्यक्रम सचिव अनिमेष जैन के सानिध्य में आयोजित किया गया। विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी के बर्तन स्थापित किए गए, ताकि गर्मियों के दौरान उन्हें पानी आसानी से उपलब्ध हो सके। स्थानीय सब्जी और फल विक्रेताओं को प्लास्टिक थैलों के विकल्प के रूप में पर्यावरण-अनुकूल कपड़े के थैले वितरित किए गए।

प्रमोद विजय जोन चैयरमैन नियुक्त

कलम का अधिकार, कोटा। लांयस क्लब अध्यक्ष प्रमोद विजय को लांयस क्लब जोन चैयरमैन नियुक्त किया गया हैं। लांयस क्लब इंटरनेशनल की कन्वेशन में प्रांतपाल रामकिशोर गर्ग द्वारा प्रमोद विजय को रीजन 10 का जोन चैयरमेन बनाया गया है।उनका कार्यकाल 1 जुलाई 25 से 30 जून 2026 तक रहेगा। प्रमोद के जोन चैयरमेन बनने पर कोटा लांयस क्लब के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया और मिठाई बांटी।

दीगोद में कलक्टर का औचक निरीक्षण

कलम का अधिकार, कोटा। दीगोद उपखण्ड क्षेत्र में मंगलवार को कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी द्वारा विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया। उपखण्ड अधिकारी दीगोद दीपक महावर ने बताया कि कलक्टर गोस्वामी ने सबसे पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दीगोद का निरीक्षण कर वार्डों में भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। कलक्टर ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दीगोद में मिड-डे-मील योजना का जायजा लिया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता देखी एवं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने हिंदी विषय से संबंधित पर्यायवाची शब्दों से प्रश्न पूछे, जिनका बच्चों ने तत्परता से उत्तर दिया। बच्चों की शैक्षणिक तत्परता की सराहना की और शिक्षकों को शिक्षण गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। गेहूं खरीद केंद्र एफसीआई दीगोद का अवलोकन करते हुए कलक्टर ने बारदाने की उपलब्धता, किसानों के लिए छाया, पेयजल और अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं की जानकारी ली। ग्राम पंचायत दीगोद का निरीक्षण करते हुए कलक्टर ने पंचायत बोर्ड पर पुराने निर्देशों को हटाकर नवीन निर्देशों से संबंधित आदेश चस्पा करवाने के निर्देश दिये। मूण्डला में मनरेगा कार्य स्थलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान छाया, पानी एवं प्राथमिक उपचार जैसी मूलभूत सुविधाएं मौके पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

हीटवेव से बचाव, राहत के लिए बांट रहे ओआरएस पैकेट

कलम का अधिकार, कोटा। भीषण गर्मी और हीटवेव में आमजन को राहत देने के लिए चिकित्सा विभाग की ओर से ओआरएस के पैकेट बांटे जा रहे हैं। सीएमएचओ डॉ नरेन्द्र नागर ने बताया कि शहर में विभिन्न आश्रय स्थलों, चौराहों, कंस्ट्रक्शन साइट्स, चिकित्सा संस्थानों में स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा श्रमिकों, राहगीरों व ठेले-दुकानदारों आदि को ओआरएस के पैकेट निःशुल्क दिए जा रहे हैं और जरूरत पड़ने पर इसका घोल बना कर सेवन करने का तरीका भी समझा रहें हैं। साथ ही लोगों को हीटवेव (लू-तापघात) से बचाव के उपायों के प्रति भी जागरूक कर रहे हैं। होस्टलों में जाकर भी छात्र-छात्राओं को लू से बचाव के लिए क्या करें और क्या नहीं करें के बारे में जानकारी दी जा रही हैं ।डॉ नागर ने आमजन से अपील की है कि दोपहर की तेज धूप में 12 से 3 बजे तक अनावश्यक घर से बाहर निकलने से बचें।

इन्द्रा मार्केट कपड़ा व्यापारी संघ ने की दो वाटर कूलर लगाने की घोषणा

कलम का अधिकार, कोटा। इंन्द्रा मार्केट कपड़ा व्यापारी संघ की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का सम्मान समारोह नान्ता रोड स्थित एक फार्म हाउस पर संपन्न हुआ। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार पेशवानी एवं सचिव रूपनारायण

श्रृंगी ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव अशोक माहेश्वरी थे ने कहा कि भीषण गर्मी के चलते शहर में जिस भी बाजार में वाटर कूलर एवं प्याऊ का संचालन नहीं हो रहा है, उस क्षेत्र की व्यापारिक संगठन अपने क्षेत्र में वाटर कूलर लगाए और प्याऊ का संचालन करें। उन्होंने बताया कि व्यापार महासंघ की कई संस्थाओं द्वारा अपने बाजारों में दो से तीन वाटर कूलर संचालित कर रखे हैं। इसी के साथ कई व्यापारिक संस्थाओं और व्यापारियों द्वारा शहर में जगह जगह कैंपर के माध्यम से बाजारों एवं अपने प्रतिष्ठानों के बाहर शीतल जल की व्यवस्था कर रखी है। व्यापार महासंघ की क्षेत्रीय संस्थाओं द्वारा पूरे शहर में करीब 200 से अधिक वाटर कूलर और 500 से अधिक प्याऊ का संचालन किया जा रहा है। इस अवसर पर इंन्द्रा मार्केट कपड़ा व्यापारी संघ के अध्यक्ष राजकुमार पेशवानी सचिव रूपनारायण श्रृंगी ने कहा कि पहली बार पुराने कोटा शहर के अंदर अतिक्रमण हटाने का बेहतरीन कार्य हुआ है, हमारी संस्था इन व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन और अतिक्रमण निरोधक टीम का पूरा सहयोग करेगी उन्होंने घोषणा की की इन्द्रा मार्केट कपड़ा व्यापारी संघ द्वारा इस क्षेत्र में शीघ्र ही दो वाटर कूलर स्थापित किए जाएंगे जिन्हे इस क्षेत्र के उचित स्थानों पर लगाया जायेगा।

इंद्रप्रस्थ इंडस्ट्रियल एरिया कोटा का भू-रूपान्तरण हो-राकेश जैन

कलम का अधिकार, कोटा। भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने राज्यवर्धन सिंह राठौड उद्योग मंत्री से मिलकर इंद्रप्रस्थ इंडस्ट्रियल एरिया कोटा के भू-रूपान्तरण विषय को लेकर चर्चा कर समस्या समाधान की मांग की। जैन ने कहा कि कोटा में पानी, बिजली, रेल रोड कनेक्टिविटी और प्रकृति के माध्यम से उद्योग और पर्यटन की अपार संभावनाए है, किंतु पिछली सरकार की हठधर्मिता से कोटा इंद्रप्रस्थ एरिया का विकास अवरुद्ध हो रखा है। राज्य सरकार ने होटल को उद्योग का दर्जा दिया हुआ है किंतु रिको इन नियमों को नहीं मान रहा है जिसकी वजह से कोटा में अपार संभावनाए होने के उपरांत भी निवेशकों ने निवेश से दूरी बना रखी है। पिछली सरकार ने आनन फ़ानन में कोटा इंद्रप्रस्थ इंडस्ट्रियल एरिया के कुछ भूखंडों को फायदा पहुँचाने की नियत से चुनिंदा क्षेत्र को चिन्हित करते हुए मास्टर प्लान में संशोधन का प्रयास किया था जो विरोध की वजह से रुक गया था। इस अवसर पर एसएसआई एसोसियेशन कोटा से अध्यक्ष मनोज राठी, सचिव आशुतोष जैन ने भी मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड से मुलाकात कर अपने मांगों का पत्र सौंपा।

कब बुलबुल, स्काउट गाइडस ने मनाया पृथ्वी दिवस

कलम का अधिकार, कोटा। कब बुलबुल और स्काउट गाइड की ओर से मंगलवार को पृथ्वी दिवस मनाया गया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड स्थानीय संघ कोटा दक्षिण के ग्रुप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आवासन मंडल केशवपुरा में विश्व पृथ्वी दिवस पर संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसके मुख्य वक्ता स्थानीय संघ सचिव प्रकाश जायसवाल, विशिष्ट अतिथि मीनाक्षी महावर और जिया मेघवाल थीं। इस दौरान बच्चों को पृथ्वी को बचाने की शपथ दिलाई गई।

दो दिन में विभिन्न ट्रेनों में खाद्य सामग्री बेचते 5 अवैध वेंडर्स पकड़े

कलम का अधिकार, कोटा। डीआरएम अनिल कालरा के मार्गदर्शन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन एवं मंडल सुरक्षा आयुक्त ए. नवीन कुमार के नेतृत्व में ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करने वालों एवं ट्रेनों में अवैध वेंडर्स के विरूद्ध औचक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यात्रियों द्वारा अवैध वेंडरों की लगातार मिल रही शिकायतों पर कारवाई के क्रम में 20 अप्रैल को गाड़ी संख्या 19038 अवध एक्सप्रेस में कोटा-नागदा खण्ड पर रामगंजमंडी एवं शामगढ़ स्टेशन पर 1-1 तथा नागदा से कोटा के मध्य गाड़ी संख्या 20155 डॉ अम्बेडकर नगर-नई दिल्ली एक्सप्रेस में 1 व्यक्ति को अवैध रूप से पानी की बोतल बेचते पकड़ा तथा ट्रेन में बिना टिकट के स्लीपर कोच में यात्रा करने वालों 6 यात्रियों के विरुद्ध कारवाई करते हुए कुल 25,175 रूपए का जुर्माना वसूला गया। कारवाई के दूसरे दिन 21 अप्रैल को गाड़ी संख्या 12465 इंदौर-भगत की कोठी रणथम्भौर एक्सप्रेस एवं गाड़ी संख्या 22544 लालकुआं-बांद्रा टर्मिनल एक्सप्रेस में कोटा-सवाई माधोपुर खण्ड के कोटा एवं लाखेरी स्टेशन पर 1-1 व्यक्ति को अवैध रूप से खाद्य एवं पेय सामग्री बेचते पकड़ा, साथ ही ट्रेन में स्लीपर कोच में बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े गए 30 व्यक्तियों से कुल 27,330 रूपए जुर्माना वसूला गया। इन दो दिनों की औचक कारवाई में कुल 5 अवैध वेंडर्स व 36 व्यक्ति बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए जिनसे कुल 52,505 रूपए का जुर्माना वसूला गया। इस औचक चेकिंग अभियान में चेकिंग स्टाफ एवं रेल सुरक्षा बल के जवानों ने मुख्य भूमिका निभाई। यह कार्यवाही आगे भी निरन्तर जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन में किसी प्रकार की यात्री सुविधाओं की समस्या होने पर रेल मदद 139 पर संपर्क कर सकते है।

लोकतंत्र बचाओ आंदोलन का वक्फ़ कानून के विरुद्ध कलेक्ट्रेट पर धरना

कलम का अधिकार, कोटा। लोकतंत्र बचाओ आंदोलन समिति के आह्वान पर आज संसद द्वारा पारित वक्फ़ कानून को संविधान के विरुद्ध बताते हुए बड़ी संख्या में धरना एवं प्रदर्शन किया गया।प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथों में तख्तियां लेकर तथा नारे लगाते हुए अपना आक्रोश जताया तथा वक्फ़ कानून वापस लो के नारे लगाए। प्रदर्शन में 40 दिन से अधिक से धरने पर बैठे अपनी बकाया राशि की मांग कर रहे जे.के. उद्योग समूह के श्रमिक भी शामिल हुए। लोकतंत्र बचाओ आंदोलन समिति के अध्यक्ष अजय चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे देश का संविधान सभी धर्मों और नागरिकों को बराबर मानता है, जबकि वक्फ़ कानून द्वारा अल्प संख्यक समुदाय की संपत्तियों की स्वायत्तता के अधिकार का हनन हो रहा है। संयोजक यशवंत सिंह ने कहा कि आज भाजपा की सरकार द्वारा अल्प संख्यकों के अधिकारों पर हमले हो रहे हैं, कल बहुसंख्यक हिंदू भी इनकी तानाशाही प्रवृत्तियों से नहीं बच पाएंगे। साहित्यकार महेन्द्र नेह ने कहा कि भाजपा सरकार ने वक्फ़ कानून से पहले मज़दूरों, किसानों, दलितों और आदिवासियों के विरुद्ध कानून बनाकर उनके अधिकार छीने। सभी शोषित पीड़ित लोगों को एकता निर्मित करके संघर्ष करना होगा। किसान नेता अब्दुल हमीद ने कहा कि वक्फ कानून पर टिप्पणी करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के संवैधानिक अधिकार की भी अवहेलना की जा रही है। किसानों के संघर्षशील नेता दुली चंद बोरदा ने कहा कि संसदीय बहुमत का देश की जनता के विरुद्ध स्तेमाल किया जा रहा था। हमें संघर्ष के लिए सड़कों पर उतरना होगा। धरने और प्रदर्शन को महेन्द्र पांडेय, उमा शंकर, अब्दुल सलाम, रूपेश चड्ढा,राम कैलाश, नारायण शर्मा, शब्बीर अहमद, छोटू लाल मीना, बी सी मीणा, फतेह चंद बागला, रामचंद्र, नरेंद्र, अनिल, रियासत अली आदि ने भी संबोधित किया।

कुन्हाड़ी इलाके मेंकोचिंग छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कलम का अधिकार, कोटा। कोटा में नीट की तैयारी कर रहे कोचिंग छात्र ने सुसाइड कर लिया। 18 वर्षीय छात्र बिहार के छपरा का रहने वाला था। कुछ दिन बाद उसके नीट का एग्जाम था। उसने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है जिसमें लिखा है- %मैं सुसाइड कर रहा हूं, आप लोगों की कोई गलती नहीं है, ना हो ये सुसाइड नीट पेपर की वजह से है, मेरा नाम, मेरी फोटो और फैमली की नाम कही भी मीडिया में नहीं डाले जावें%। शव को पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी है। कुन्हाड़ी थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि घटना सुबह 6 बजे के आसपास की है। हॉस्टल संचालक ने सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंचे। रूम का गेट तोड़ा, देखा तो छात्र पंखे के कड़े से फांसी पर लटका हुआ था। उसने रस्सी से फांसी लगा रखी थी।

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा सूचना
संख्याः ईएल/टीआरडी/50/एनआईटी
दिनांक : 17.04.2025
भारत के राष्ट्रपति के लिए अथवा उनकी ओर से वरि. मं. वि. इंजी (क.वि.) प.म.रे. कोटा निम्न कार्य लिये खुली मोहरबंद ई-निविदा आमंत्रित करता है। **निविदा संख्या एवं कार्य का नाम-** ईएल/ टीआरडी /50/02R4 (2024 & 25) & (1) ओहचइ वर्क इन कनेक्शन वित कंस्ट्रक्शन ऑफ 2 लेन आरओबी (13 नंबर्स) एट एलसी नं. 127, 216, 126, 173, 118, 217, 113, 200, 141x, 148, 175, 128, 123, 231 & 242 ऑफ कोटा डिवीजन। (2) एक्सटेंशन एंड रेजिंग ऑफ प्लेटफार्म ऑफ लाखेरी केशोराय पतन बरून्दनी और मोरक स्टेशन ऑफ कोटा डिवीजन।, **कार्य की अनुमानित लागत-** 83,83,679.00, **निविदा बंद होने की दिनांक एवं समय-** दिनांक 13/05/2025 को 15:30 बजे, **वेबसाईट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से निविदा देखा जा सकें।** https://www.ireps.gov.in वरि. मं. वि. इंजी (क.वि.) कोटा प्रथम तल मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय प.म.रे. कोटा, ऑफर केबल ई-टेण्डरिंग के माध्यम से वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर स्वीकार किए जायेंगे। निविदा दाता के पास क्लास ।।। डिजिटल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना चाहिए एवं आई.आर.ई.पी.एस पोर्टल पर रजिस्टर्ड होना चाहिए। काई भी निविदा मैनुअली स्वीकार नहीं है। निविदा डालने से पहले टेंडर दस्तावेजों की स्पेशल कंडीशन्स एवं शर्तें अवश्य पढ़ लें।
(हस्ता.)
वरि. मं. वि. इंजी (क.वि.) पमरे, कोटा
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

RNI No,28267/73 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक विष्णु शर्मा 'अरुणेश' के लिए ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, रामपुरा बाजार, कोटा-324006 में मुद्रित एवं बी-13, जवाहर नगर (ओल्ड) कोटा से प्रकाशित। उप प्रधान संपादक: राधारमण शर्मा, संपादक : के.एल.जैन। फोन: 0744-3550629, मो. : 9829036569